News Paper PG-No: -16

दैनिक भास्कर जामताड़ा पुलआउट 09-02-2025

रेलवे इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के 100 वर्ष पूरे होने पर चिरेका में वॉकथॉन

भास्कर न्यूज | चित्तरंजन

भारतीय रेल में इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के 100 वर्ष पूरे होने पर चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना में वॉकथॉन का आयोजन हुआ। इसमें अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साह से भाग लिया। वॉकथॉन देशबंधु बालिका उच्च विद्यालय से शुरू हुआ। महाप्रबंधक कार्यालय भवन तक पहुंचकर वापस प्रारंभ स्थल पर समाप्त हुआ। इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय रेल के इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन की 100 साल की ऐतिहासिक यात्रा को यादगार बनाना था। रेलवे बोर्ड के निर्देश पर आयोजित इस वॉकथॉन के जरिए भारतीय रेल की इस उपलब्धि का जश्न मनाया गया। चिरेका के जनसंपर्क विभाग की विज्ञप्ति में बताया गया कि अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी से यह आयोजन सफल और खास बन सका है।

News Paper PG-No: -03

दैनिक जागरण

इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के पूरे हुए सौ साल, चिरेका में हुआ वाकथन

चिरेका में आयोजित वाकथन के दौरान विभागीय अधिकारी व कर्मी ● जागरण

जागरण संवाददाता, जामताड़ा: चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना (चिरेका) रेल नगरी में शनिवार को एक वाकथन का आयोजन किया गया। भारतीय रेल ट्रेक्शन के 100 साल पूरे होने पर चिरेका में आयोजित इस वाकथन में काफी संख्या में अधिकारियों व कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

यह वाकथन देसबंधु बालिका उच्च विद्यालय से आरंभ होकर महाप्रबंधक कार्यालय भवन पहुंचा फिर वापस शुभारंभ स्थल पर जाकर पूरा हुआ। एलेक्ट्रिक ट्रेक्शनके ऐतिहासिक स्वर्णिम 100 साल के सफल यात्रा को यादगार बनाने के लिए रेलवे बोर्ड के निर्देश पर चिरेका में इस वाकथन का आयोजन किया गया। भारत में पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन तीन फरवरी 1925 को चली थी। यह ट्रेन बाम्बे के विक्टोरिया टर्मिनल से कुर्ला हार्बर के बीच चली थी। भारतीय रेलवे में विद्युत कर्षण के 100 गौरवशाली वर्षों को चिह्नित करने के लिए यह आयोजन हुआ। इसका नेतृत्व अजीत कुमार आलोक व समस्त अधिकारी गण ने किया।

News Paper PG-No: -07

रविवासरीय हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com

इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन का सौ साल, वॉकथॉन आयोजित

मिहिजाम, प्रतिनिधि। चिरेका रेलनगरी में शनिवार को वॉकथॉन का आयोजन किया गया। भारतीय रेल के ट्रैक्शन के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष में चिरेका मे आयोजित इस वॉकथॉन में काफी संख्या में अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया। यह वॉकथॉन देशबंधु बालिका उच्च विद्यालय से आरंभ होकर महाप्रबंधक कार्यालय भवन पहुंची, फिर वापस शुभारंभ स्थल पर जाकर पूरी हुई।

इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के ऐतिहासिक स्वर्णिम 100 साल के सफल यात्रा को यादगार बनाने के लिए रेलवे बोर्ड के निर्देश पर चिरेका में यह सफल वॉकथॉन का आयोजन किया गया।

भारत में पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन 3 फरवरी 1925 को चली थी। यह ट्रेन बॉम्बे के विक्टोरिया टर्मिनल से कुर्ला हार्बर के बीच चली थी। भारतीय रेलवे में विद्युत कर्षण के 100 गौरवशाली वर्षों को चिन्हित करने के लिये विद्युत विभाग द्वारा चिरेका में एक पैदल यात्रा निकाली गई।जिसका नेतृत्व माननीय अजित कुमार आलोक एवं समस्त अधिकारियों ने किया।

News Paper PG-No: -05

विद्युतीकरण के 100 वर्ष पूरे, की गयी पैदल यात्रा

मिहिजाम. भारतीय रेलवे में विद्युतीकरण के 100 गौरवशाली वर्षों पूरे होने पर चित्तरंजन रेलनगरी में शनिवार को पैदल यात्रा निकाली गयी. इसका नेतृत्व चिरेका अधिकारी अजित कुमार आलोक ने किया. भारतीय रेल के टैक्षन के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य पर चिरेका में आयोजित इस पैदल यात्रा में बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने भाग लिया. यह पैदल यात्रा देशबंधु बालिका उच्च विद्यालय से आरंभ होकर महाप्रबंधक कार्यालय भवन पहुंची. मालूम हो कि भारत में पहली विद्युत ट्रेन 3 फरवरी 1925 को चली थी. यह ट्रेन बाम्बे के विक्टोरिया टर्मिनल से कुरलाहार्बर के बीच चली थी.